रचनात्मक भागीदारी

मई 2016

"स्काउट -गाईड अभिरुचि प्रशिक्षण शिविरों में सचेतन स्वयंसेवी संस्था द्वारा की गई रचनात्मक भागीदारी पर आधारित एक रिपोर्ट"

सचेतन

शिक्षा और सामाजिक विकास का सीधा सम्बन्ध है और विद्यार्थी समूह इस सम्बन्ध के आधार स्तम्भ हैं. बच्चों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ यदि पढ़े हुए को अभ्यास करने के मौके और साधन मिले तो सीखने की रफ़्तार तेज़ हो जाती है क्योंकि पठित सामग्री उनके अनुभव में शामिल हो गयी होती है. इस प्रकार के अवसर बच्चों को प्रदान करने हेतु सचेतन साथी स्काउट-गाइड, कोटा मण्डल एवं जिला शिक्षा विभाग का आभार प्रकट करते हैं. धन्यवाद!

- डॉ. भारती गौड़
(सचिव)

"रचनात्मक भागीदारी"

आर्टलैब: मई 2016
सचेतन संस्था, कोटा

आर्टलैब टीम: पीयूष अग्रवाल, पलाश वर्मा, ज्योति कछावा, आरती कछावा, ज्योति मित्तल, मनीषा सुमन एवं भारती गौड़.

स्काउट गाइड अभिरुचि शिविरों के माध्यम से पर्यावरण चेतना हेतु रचनात्मक भागीदारी

'सचेतन' (सोसायटी फॉर रिसर्च, एजूकेशन एंड ट्रेनिंग) राजस्थान संस्था पंजीकरण अधिनियम 1958 के तहत पंजीकृत कोटा (राजस्थान) स्थित एक नव-गठित स्वयंसेवी एवं अलाभकारी संस्था है. 'सचेतन' के मायने हैं - चेतना युक्त, सतर्कता के साथ, सोचा-समझ कर, जागरूकता के साथ, जीवंत आदि. इस प्रकार स्वयंसेवी संस्था के रूप में 'सचेतन' का उदय कुछ साथियों का सोचा-समझा जागरूक निर्णय है जो अपने ज्ञान और कौशल; दक्षता और सामर्थ्य; समाज की विसंगतियों और वंचित वर्ग के प्रति चिंता और देखभाल का स्थायी स्वप्न रखते हैं.सचेतन का संकल्प बच्चों, किशोरी बालिकाओं, युवाओं एवं महिलाओं के साथ उनके सशक्तिकरण पर कार्य करना है चाहे वे शहर की कच्ची बस्तियों में रहते हों या ग्रामीण क्षेत्र में; चाहे वे स्कूल जाते हों या शिक्षा से वंचित हों; चाहे वे परिवार में रह रहे हों या विषम परिस्थितियों के चलते परिवार छूट गया हो; जीवन की विभीषिकाओं से जूझ रहे हों या फिर समर्थ हों. जाति, वर्ग और निवास से परे वंचित वर्ग विशेषकर बच्चे एवं किशोरी बालिकाओं के साथ कार्य कर उनको बेहतर भविष्य के लिए तैयार करना ही सचेतन का खास मकसद है.

गत तीन वर्षों से संस्था कोटा क्षेत्र के बच्चों एवं युवाओं के साथ शिक्षण, स्वास्थ्य, कौशल प्रशिक्षण इत्यादि के माध्यम से रचनात्मक कार्य करती आ रही है. सचेतन का विचार है कि सुनने (Listening) की तुलना में देखने (Seeing) और करने (Doing) से बच्चे तेजी से सीखते हैं. पर्यावरण संरक्षण सचेतन के उद्देश्यों में एक प्रमुख उद्देश्य है. आर्टलैब के माध्यम से सचेतन बच्चों के कलात्मक हुनर को प्रोत्साहित करते हुए पर्यावरण संरक्षण और 'कबाड़ से जुगाड़' हेतु जागरूकता प्रेरित कर रहा है. पर्यावरण संरक्षण एक विस्तृत मुद्दा है. सचेतन इसके एक पक्ष ***प्लास्टिक कचरे से उत्पन्न समस्या*** की तरफ लोगों, विशेषकर बच्चों का, ध्यान आकर्षण करने व इससे निपटने में बच्चों की रचनात्मक भूमिका का पुरजोर पक्ष रखता है.

आर्टलैब : प्लास्टिक कचरे से निपटने में बच्चों की भूमिका

प्लास्टिक वेस्ट यानि प्लास्टिक की पन्नियाँ, कोल्ड ड्रिंक्स की बोतलें, मिनरल वाटर की बोतलें, डिस्पोजल गिलास, चम्मच इत्यादि....ये कुछ ऐसा कचरा है जो सामन्यता घर, स्कूल, होटल, रेस्टोरंट इत्यादि से काफी मात्रा में निकलता है और जिसके बारे में ये स्थापित हो चुका है कि ये स्वतः नष्ट होने वाला कचरा अर्थात बायो डिग्रेडेबल नहीं है. अतः रीसायकल ही इसका एक उपाय है. जिसके लिए शहर में व्यवस्थित रीसायकल इकाइयों की आवश्यकता होती है. रीसायकल के साथ refuse-reduce-reuse व्यवहारों को भी अपनाने की आवश्यकता होती है. पर इन सबमें बच्चे अपना योगदान कैसे कर सकते हैं इसके लिए संस्था ने 'REDECORATE' का विचार रखा अर्थात प्लास्टिक कचरे के साथ बच्चे रचनात्मक प्रयोग करें और प्लास्टिक उत्पाद को बेकार या काम में न आने की स्थिति में उसे फेंकने के स्थान पर कलात्मक- उपयोगी वस्तु में बदल दें. एक दृष्टि से कहें तो.... कचरे को घर में रोक लें. अपनी आर्टलैब के ज़रिये सचेतन शहर के विभिन्न स्कूलों, बस्तियों, अपार्टमेंट्स, बच्चों के समूहों में इस प्रकार की कार्यशालाएं आयोजित करते आ रहे हैं.

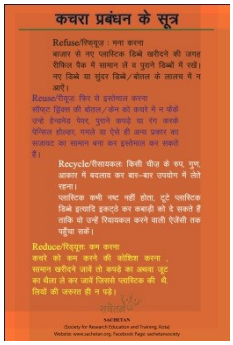

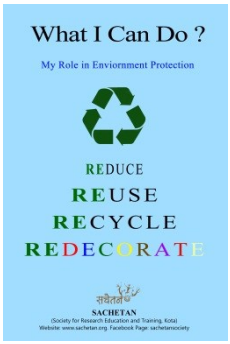

स्काउट गाइड अभिरुचि शिविरों के माध्यम से पर्यावरण चेतना हेतु रचनात्मक भागीदारी

पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता के इसी आशय के साथ प्लास्टिक वेस्ट को कम करने में क्राफ्ट के ज़रिये बच्चों की भूमिका को लेकर सचेतन द्वारा कोटा के स्थानीय स्कूलों में स्काउट गाइड अभिरुचि शिविरों के माध्यम से रचनात्मक सहयोग दिया गया. स्काउट-गाइड शिविरों के 6 केन्द्रों में से 4 केन्द्रों में कार्य करने के लिए अनुमति प्राप्त हुई.

- 23-24 मई को केशवपुरा आवासन मण्डल स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल
- 25-26 मई को पुलिस लाइन्स स्थित राजकीय माध्यमिक स्कूल

- 27-28 मई को टिपटा स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक स्कूल
- 30-31 मई को एस डी पब्लिक स्कूल, बोरखेड़ा

इन सभी केन्द्रों में दो -दो दिनों की आर्टलैब के ज़रिये प्लास्टिक वेस्ट के रचनात्मक उपयोग पर कार्यशाला की गयी. संदर्भ व्यक्ति भारती गौड़ द्वारा प्लास्टिक वेस्ट के प्रकार, स्रोतों और नुक्सान पर शिविर संभागियों के साथ चर्चा की गयी और उसको कम करने के तरीकों पर विचार किया गया. प्लास्टिक वेस्ट को रोकने के लिए घर-स्कूल स्तर पर बच्चों की भूमिका, रचनात्मक उपायों और वेस्ट प्लास्टिक बोतल से उपयोगी वस्तुएं बनाने पर चर्चा और गतिविधियाँ की गयीं. इस संदर्भ में सभी केन्द्रों में संस्था द्वारा तैयार किये गए पोस्टर एवं प्लास्टिक वेस्ट से बनाये उत्पादों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी.

प्लास्टिक वेस्ट को कम करने में बच्चों की रचनात्मक भूमिका को सक्रिय करने के लिए संस्था के युवा साथियो द्वारा क्राफ्ट विधियों का प्रदर्शन किया व बच्चों के साथ समूहों में बंट कर बेकार प्लास्टिक बोतलों से आकर्षक उपयोगी वस्तुओं को बनाया गया. संभागियों द्वारा बनाये गए उत्पादों को भी अंत में प्रदर्शनी में रखा जाता ताकि सभी एक दूसरे की रचनात्मकता को जान सकें. कुछ हमने सिखाया, कुछ दिखाया .....और बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता का परिचय देते हुए बहुत कुछ रच दिया.

इसी प्रक्रिया में 25-26 मई को पुलिस लाइन्स स्थित राजकीय माध्यमिक स्कूल में शिविर के दौरान श्रीमति रश्मि शर्मा, उप -निदेशक माध्यमिक शिक्षा तथा जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) श्री राधे श्याम शर्मा द्वारा सत्र का अवलोकन किया गया. उन्होंने गतिविधि को अन्य स्कूलों में भी करने का आग्रह किया व साथ ही बच्चों के साथ प्लास्टिक वेस्ट को रोकने के बारे में चर्चा भी की. सभी सत्रों में सत्र में स्टूडेंट volunteer पलाश, पीयूष, ज्योति व मनीषा ने अपना सहयोग दिया व बच्चों को सिखाने में मदद की.

शिविर में सचेतन आर्टलैब की कुछ झलकियाँ

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, टिपटा

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, टिपटा

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, आवासन मण्डल, केशवपुरा

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, आवासन मण्डल, केशवपुरा

राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पुलिस लाइन्स

राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पुलिस लाइन्स

एस.डी.पब्लिक स्कूल, बोरखेड़ा

एस. डी. पब्लिक स्कूल, बोरखेड़ा

आभार

- श्रीमति रश्मि शर्मा, उप-निदेशक (माध्यमिक शिक्षा), जिला शिक्षा विभाग, कोटा.
- श्री यज्ञ दत्त हाड़ा, मण्डल सचिव, स्काउट-गाइड मण्डल मुख्यालय,कोटा.
- श्री राधेश्याम शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी (मा. शिक्षा), जिला शिक्षा विभाग, कोटा.
- श्री गिरिराज गर्ग, सी ई ओ, स्काउट, कोटा.
- श्रीमति मंजु गुप्ता, शिविर प्रभारी, राज. बा. उ. मा. वि. टिपटा.
- श्री रामेश्वर प्रसाद सेन, शिविर प्रभारी, राज. बा. उ. मा. वि. टिपटा.
- श्री आदित्य विजय, प्रधानाध्यापक, राज. मा. वि. पुलिस लाइन्स.
- श्री प्रकाश जायसवाल, शिविर प्रभारी, राज. उ. मा. वि. आवासन मण्डल, केशवपुरा
- श्री शिवचरण मेवाड़ा, शिविर सहायक प्रभारी, आवासन मण्डल, केशवपुरा
- समस्त शिविरों के संभागी, एवं शिविर प्रबंधन में लगे समस्त सहयोगी
- शिविरों में उपस्थित स्काउट्स एवं गाइड्स

प्रतिक्रियाएं

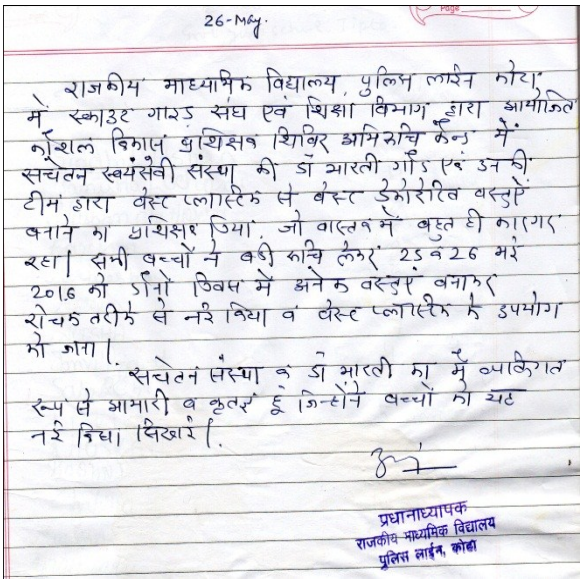

26-May.

राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पुलिस लाईन कोटा में स्काउट गाइड संघ एवं शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर अभिरुचि केन्द्र में सचेतन स्वयंसेवी संस्था की डॉ भारती गौड़ एवं उनकी टीम द्वारा वेस्ट प्लास्टिक से बेस्ट डेकोरेटिव वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया, जो वास्तव में बहुत ही कारगर रहा। सभी बच्चों ने बड़ी रुचि लेकर 25 व 26 मई 2016 को दोनों दिवस में अनेक वस्तुएं बनाकर रोचक तरीके से नई विधा व वेस्ट प्लास्टिक के उपयोग को जाना।

सचेतन संस्था व डॉ भारती का मैं व्यक्तिगत रूप से आभारी व कृतज्ञ हूं जिन्होंने बच्चों को यह नई विधा सिखाई।

प्रधानाध्यापक
राजकीय माध्यमिक विद्यालय
पुलिस लाईन, कोटा

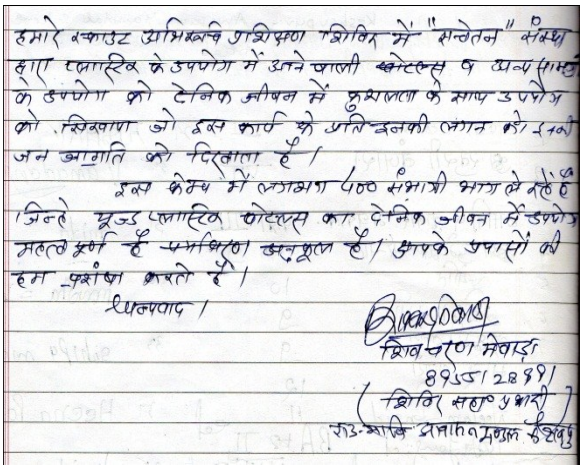

हमारे स्काउट अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर में "सचेतन" संस्था द्वारा प्लास्टिक के उपयोग में आने वाली बोतल्स व अन्य सामग्री के उपयोग को दैनिक जीवन में कुशलता के साथ उपयोग को सिखाया जो इस कार्य के प्रति इनकी लगन को व इनकी जन जागृति को दिखाता है।

इस कैम्प में लगभग 400 संभागी भाग ले रहे हैं जिन्हे यूज्ड प्लास्टिक बोतल्स का दैनिक जीवन में उपयोग महत्वपूर्ण है पर्यावरण अनुकूल है। आपके प्रयासों की हम प्रशंसा करते हैं।

धन्यवाद।

शिवचरण मेवाड़ा
8955128891
(शिविर सह० प्रभारी)
रा०उ०मा०वि० [illegible]

3/5/16

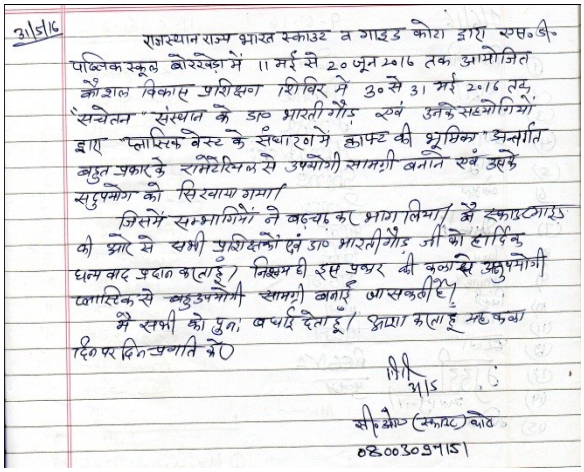

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड कोटा द्वारा एस०डी० पब्लिक स्कूल बोरखेड़ा में 11 मई से 20 जून 2016 तक आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर में 30 से 31 मई 2016 तक "सचेतन" संस्थान के डा० भारती गौड़ एवं उनके सहयोगियों द्वारा "प्लास्टिक वेस्ट के संधारण में क्राफ्ट की भूमिका" अन्तर्गत बहुत प्रकार के रामेटेरियल से उपयोगी सामग्री बनाने एवं उसके सदुपयोग को सिखाया गया।

जिसमें सम्भागियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। मैं स्काउट गाइड की ओर से सभी प्रशिक्षकों एवं डा० भारती गौड़ जी को हार्दिक धन्यवाद प्रदान करता हूं। निश्चय ही इस प्रकार की कला से अनुपयोगी प्लास्टिक से बहुउपयोगी सामग्री बनाई जा सकती है।

मैं सभी को पुनः बधाई देता हूं। आशा करता हूं यह कला दिन पर दिन प्रगति करे।

3/5

सी०ओ० (स्काउट) कोटा
08003094151

दिनांक 28.5.2016

बेस्ट ऑफ द वेस्ट

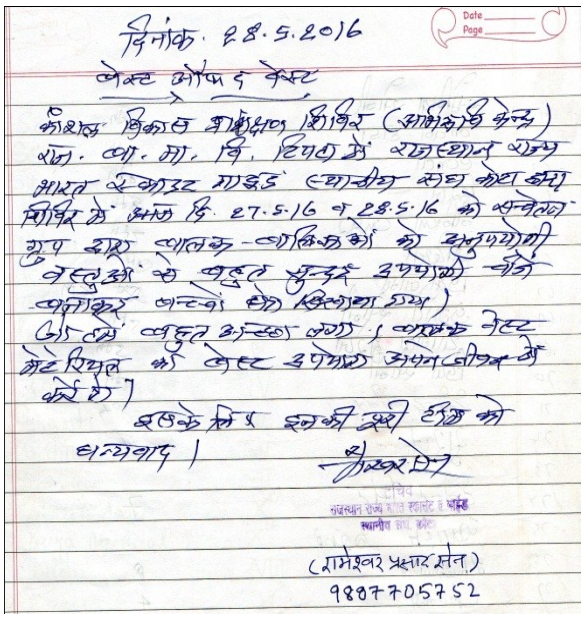

कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर (अभिरुचि केन्द्र) राज. बा. मा. वि. [illegible] में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ कोटा द्वारा शिविर में आज दि. 27.5.16 व 28.5.16 को सचेतन ग्रुप द्वारा बालक-बालिकाओं को अनुपयोगी वस्तुओं से बहुत सुन्दर उपयोगी चीजें बनाकर बच्चों को सिखाया गया।

जो हमें बहुत अच्छा लगा। बालक वेस्ट मेटेरियल को बेस्ट उपयोग अपने जीवन में करेंगे।

इसके लिए इनकी पूरी टीम को धन्यवाद।

सचिव
राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड
स्थानीय संघ, कोटा

(रामेश्वर प्रसाद सेन)
9887705752

23, श्रीपद, रेलवे सोसायटी कॉलोनी, बजरंग नगर, कोटा- 324001

www.sachetansociety.org

www.facebook.com/sachetansociety

ईमेल- sachetansociety@gmail.com संपर्क: 9413355730